

an>

Title: Introduction of the Banking Regulation (Amendment) Bill, 2020.

माननीय अध्यक्ष : आइटम नम्बर-21 श्रीमती निर्मला सीतारमण जी ।

...(व्यवधान)

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY (BAHARAMPUR): Sir, this item should not be taken up before the discussion on Delhi riots. ...
(Interruptions)

THE MINISTER OF FINANCE AND MINISTER OF CORPORATE AFFAIRS (SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Banking Regulation Act, 1949....(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : श्री एन.के. प्रेमचन्द्रन ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्रो. सौगत राय ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री अधीर रंजन चौधरी ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एडवोकेट डीन कुरियाकोस ।

...(व्यवधान)

SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN: Sir, the Banking Regulation (Amendment) Bill, 2020 is absolutely the need of the hour. ...

(Interruptions) In this country, very recently, the Punjab and Maharashtra Cooperative Bank, which is a Multi-State Cooperative Bank, unfortunately, has put a lot of small and medium sized depositors to difficulty. ...*(Interruptions)* Constantly, there is a request that the Government should do something about it. ...*(Interruptions)* Under the leadership of Prime Minister Modi, we have ensured that the deposit insurance is increased from Rs. 1 lakh to Rs. 5 lakh so that common citizens, who have saved their money, can be sure that, whatever be the difficulty, their money will be safe in the banks. ...*(Interruptions)* But if the Opposition thinks that they can stall the demands of the small deposit holders who are looking up to the Government for some activity, for some protection, and if the small and medium depositors are being denied their right, it is a shame. They are against the small and medium depositors of this country. ...*(Interruptions)*

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य मैंने आसन से व्यवस्था दे रखी है कि एक भी माननीय सदस्य ने बॉर्डर क्रॉस किया, वे चाहे इधर के माननीय सदस्य हों या उधर के माननीय सदस्य हों, मैं इमिडिएटली पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दूंगा ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठ जाइए ।

...(व्यवधान)

SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN: Sir, the small and medium depositors of this country are looking up to this Government to protect them. ...*(Interruptions)* We have raised the deposit insurance from Rs. 1 lakh to Rs. 5 lakh in order that we give the protection. ...*(Interruptions)* Now, at this time, without this amendment, the depositors are going to

be in a difficulty. So, I appeal to everybody to take this amendment into consideration. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है:

“कि बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 का और संशोधन करने वाले विधेयक को पुरःथापित करने की अनुमति प्रदान की जाए । ”

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

...(व्यवधान)

SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN: Sir, I introduce* the Bill.

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आप जिस विषय पर चर्चा कर रहे हैं, उस पर आप सभी ने सर्वसम्मति से फैसला किया है । सत्ता पक्ष ने कहा कि आसन से जो भी व्यवस्था होगी, उसे हम स्वीकार करेंगे । मैंने आपसे भी चर्चा की और आपसे भी चर्चा की । सदन के सभी दलों के नेताओं से चर्चा की । मेरा मानना है कि सदन में सहमति और असहमति हो सकती है, लेकिन देश हित में हम सभी काम कर रहे हैं ।

इस समय देश की परिस्थिति को देखते हुए मेरा विचार है कि जिन विषयों पर आप कह रहे हैं, मैं आज ही व्यवस्था दे देता हूँ, क्योंकि अभी होली का पर्व है, होली सौहार्दपूर्ण तरीके से मने ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप मेरी बात सुनें ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सरकार इस विषय पर चर्चा करने के लिए तैयार है और सरकार ने कहा है कि होली के बाद, 11 तारीख को इस विषय पर चर्चा होनी चाहिए, आपने चर्चा मांगी है और सरकार चर्चा के लिए तैयार है ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्या सरकार चर्चा करने के लिए तैयार है?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सरकार चर्चा के लिए तैयार है और ऐसी परिस्थिति में हमें सदन में चर्चा करनी चाहिए ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सरकार आप चर्चा करिए । आप भी सीट पर जाकर चर्चा करिए । सदन चर्चा करने के लिए है, संवाद करने के लिए है, वाद-विवाद करने के लिए है ।

...(व्यवधान)

-

14.11 hrs

(At this stage, Shri Kodikunnil Suresh, Shri Bhagwant Mann and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.)

माननीय अध्यक्ष : No, आप चर्चा करिए, संवाद में बैठिए, बात करिए, होली का अच्छा पर्व मनाइए । देश में सौहार्दपूर्ण तरीके से चर्चा होनी चाहिए । आप भी होली मनाएं, सभी लोग होली मनाएं, देश भर में लोग होली मनाएं । आप

माननीय वरिष्ठ सदस्यों से सीखें । कोई वरिष्ठ सदस्य सीट छोड़ कर नहीं आते हैं ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आज हम सभी लोग अनुसूचित जनजाति, सामाजिक कल्याण पर चर्चा करना चाहते हैं, सामाजिक कल्याण का विषय बहुत महत्वपूर्ण है । आपके मुख्य सचेतक ने कहा है कि सामाजिक कल्याण विषय पर चर्चा होनी चाहिए, दो दिनों तक चर्चा होनी चाहिए ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप समाज कल्याण विषय पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं? आप दलित, शोषित और पीड़ित व्यक्तियों पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्या आप सदन में हल्ला करने आए हैं? आप चर्चा करें, संवाद करें, बातचीत करें । लोकतंत्र के मंदिर में मैं आप सभी से आग्रहपूर्वक निवेदन करता हूँ कि आप चर्चा करें, संवाद करें । इसमें सहमति या असहमति हो सकती है, लेकिन सदन में चर्चा होनी चाहिए ।

...(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल): अध्यक्ष महोदय, आप चर्चा के लिए डेट तय करें । आपको टाइम तय करना है, डेट तय करनी है । हम चर्चा के लिए तैयार हैं ।(व्यवधान)